सिलेबस वितरण

हिंदी

छठी से दसवीं

2024-25

कक्षा छठी (द्वितीय भाषा)

मासिक पाठ्यक्रम योजना 2024-25 (L.O. के अनुसार)

महीना	पठन सामग्री	सीखने की सम्प्राप्तियाँ (L.O.)	संबंधित लिंक
अप्रैल-मई 2024	पाठ्य पुस्तक (पृष्ठ 1 से 11 तक) दोहराई, व्यंजन और मात्राओं के योग से नये शब्दों का निर्माण, पाठ -1 प्रार्थना, पाठ-2 सबसे बड़ा धन, पाठ-3 जय जवान! जय किसान! पाठ-4 इंद्रधनुष स्वर, व्यंजन, मात्राएं,(उच्चारण+लेखन) लिंग परिवर्तन, वचन परिवर्तन संज्ञा की पहचान (व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों की पहचान करवाना), मुहावरे, शुद्ध-अशुद्ध, **निबंध**:- मेरा परिचय, मेरा स्कूल, **कहानी**:- लालची कुत्ता, प्यासा कौआ, **प्रार्थना-पत्र**:- बीमारी के कारण अवकाश लेने के लिए मुख्याध्यापक को प्रार्थना-पत्र।	620 हिंदी के वर्णो, मात्राओं, संयुक्ताक्षरों को पुस्तक से पढ़ते हैं और उन्हें स्वयं लिखने का पुनः अभ्यास करते हैं। 623 अध्यापक द्वारा किए गए पुस्तक की कविताओं के आदर्श वाचन का यथावत अनुकरण करते हैं। 624 पुस्तक के गद्य पाठ - कहानी, लेख, एकांकी के शब्दों की जोड़-जोड़कर पढ़ते हैं। 625 पाठ के अभ्यास में दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति, सरल प्रश्नों के उत्तर पाठ में से खोजकर कर लेते है। 626 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द आदि स्वयं लिखने का प्रयास करते हैं। 627 पंजाबी भाषा से भिन्न मात्राओं, वर्णों और शब्दों को क्या कच्चा, फुल- फूल, श्री - श्री आदि। 628 भाषा की बारीकियों के प्रति ध्यान आकर्षित करते हैं। 629 देखकर लिखने से उत्साहित होते हैं। जैसे:-1 अध्यापक के सहयोग से किसी एक विषय पर निबंध रचना करते समय मिलते जुलते विषयों पर स्वयं पंक्तियां लिख लेते हैं। 630 अध्यापक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे प्रार्थना-पत्र का अनुकरण लेखन करते हैं। मिलते-जुलते विषय पर स्वयं पत्र लिख लेते है। जैसे:- ज़रुरी काम अथवा बीमारी की छुट्टी का पत्र |	स्वर, व्यंजन पाठ -1 प्रार्थना, पाठ-2 सबसे बड़ा धन, लालची कुत्ता, प्यासा कौआ
जून 2024 दोहराई			
जुलाई-अगस्त 2024	पाठ-5 ईमानदार शंकर, पाठ-6 मैं और मेरी सवारी, पाठ-7 सूरज (कविता) पाठ-8 प्रायश्चित, पाठ-9 रोमांचक कबड्डी मुकाबला, पाठ-10 चिड़िया का गीत (कविता) पर्यायवाची शब्द, 'र' के विभिन्न रूप, भाववाचक संज्ञा, (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक,संबंधवाचक, निजवाचक, और प्रश्नवाचक सर्वनाम) नये शब्दों का निर्माण, विपरीत शब्द **निबंध** :-मेरा गांव/मेरा शहर, **प्रार्थना-पत्र**:- सेक्शन बदलने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना -पत्र। **कहानी**:- चालाक लोमड़ी,	620 हिंदी के वर्णो, मात्राओं, संयुक्ताक्षरों को पुस्तक से पढ़ते हैं और उन्हें स्वयं लिखने का पुनः अभ्यास करते हैं। 622 हिंदी में आए 'र' के विविध रूपों - कृपा, कर्म, क्रम को ध्यान देकर पढ़ते हैं। 623 अध्यापक द्वारा किए गए पुस्तक की कविताओं के आदर्श वाचन का यथावत अनुकरण करते हैं। 624 पुस्तक के गद्य पाठ - कहानी, लेख, एकांकी के शब्दों की जोड़-जोड़कर पढ़ते हैं। 625 पाठ के अभ्यास में दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति, सरल प्रश्नों के उत्तर पाठ में से खोजकर कर लेते है। 626 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द आदि स्वयं लिखने का प्रयास करते हैं। 627 पंजाबी भाषा से भिन्न मात्राओं, वर्णों और शब्दों को क्या कच्चा, फुल- फूल, श्री - श्री आदि। 628 भाषा की बारीकियों के प्रति ध्यान आकर्षित करते हैं। 629 देखकर लिखने से उत्साहित होते हैं। जैसे:-1 अध्यापक के सहयोग से किसी एक विषय पर निबंध रचना करते समय मिलते जुलते विषयों पर स्वयं पंक्तियां लिख लेते हैं। 630 अध्यापक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे प्रार्थना-पत्र का अनुकरण लेखन करते हैं। मिलते-जुलते विषय पर स्वयं पत्र लिख लेते है। जैसे:- ज़रुरी काम अथवा बीमारी की छुट्टी का पत्र |	पर्यायवाची शब्द पाठ-5 ईमानदार शंकर, पाठ-6 मैं और मेरी सवारी, पाठ-7 सूरज (कविता) पाठ-9 रोमांचक कबड्डी मुकाबला,
सितम्बर 2024 दोहराई और अर्धवार्षिक परीक्षा			
अक्तूबर-नवम्बर 2024	पाठ-11 दूध का दूध पानी का पानी, पाठ-12 रेणुका झील, पाठ-13 काश! मैं भी (कविता) पाठ-14 कुमारी कालीबाई,	620 हिंदी के वर्णो, मात्राओं, संयुक्ताक्षरों को पुस्तक से पढ़ते हैं और उन्हें स्वयं लिखने का पुनः अभ्यास करते हैं। 623 अध्यापक द्वारा किए गए पुस्तक की कविताओं के आदर्श वाचन का यथावत अनुकरण करते हैं।	पाठ-11 दूध का दूध पानी का पानी,

	पाठ-15 गुरुपर्व कारक , विराम चिह्नों का प्रयोग, विशेषण (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक और सार्वनामिक), अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, **निबंध:**- दशहरा, गुरु नानक देव जी, **प्रार्थना-पत्र**:- आपके मुख्याध्यापक ने आपको स्कूल के बगीचे से फूल तोड़ते हुए देख लिया है, इस ग़लती के लिए उनसे क्षमा याचना करते हुए प्रार्थना-पत्र। **कहानी**:- एकता में बल है,	624 पुस्तक के गद्य पाठ - कहानी, लेख, एकांकी के शब्दों की जोड़-जोड़कर पढ़ते हैं। 625 पाठ के अभ्यास में दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति, सरल प्रश्नों के उत्तर पाठ में से खोजकर कर लेते है। 626 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द आदि स्वयं लिखने का प्रयास करते हैं। 627 पंजाबी भाषा से भिन्न मात्राओं, वर्णों और शब्दों को क्या कच्चा, फुल- फूल, श्री - श्री आदि। 628 भाषा की बारीकियों के प्रति ध्यान आकर्षित करते हैं। 629 देखकर लिखने से उत्साहित होते हैं। जैसे:-1 अध्यापक के सहयोग से किसी एक विषय पर निबंध रचना करते समय मिलते जुलते विषयों पर स्वयं पंक्तियां लिख लेते हैं। 630 अध्यापक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे प्रार्थना-पत्र का अनुकरण लेखन करते हैं। मिलते-जुलते विषय पर स्वयं पत्र लिख लेते है। जैसे:- ज़रुरी काम अथवा बीमारी की छुट्टी का पत्र |	**कारक** **विशेषण**
दिसम्बर 2024 - जनवरी 2025	पाठ-16 चींटी (कविता), पाठ-17 पिल्ले बिकाऊ हैं पाठ-18 रसोई का ताज सब्ज़ियाँ, पाठ-19 पेड़ लगाओ (कविता) विराम चिह्न, मुहावरे, नये शब्दों का निर्माण, शुद्ध-अशुद्ध **प्रार्थना-पत्र**:- जुर्माना माफ़ी के लिए प्रार्थना-पत्र। ज़रूरी काम के अवकाश लेने के लिए प्रार्थना पत्र। **निबंध**:- स्वच्छता अभियान, **कहानी**:- ईमानदार लकड़हारा,	620 हिंदी के वर्णो, मात्राओं, संयुक्ताक्षरों को पुस्तक से पढ़ते हैं और उन्हें स्वयं लिखने का पुनः अभ्यास करते हैं। 623 अध्यापक द्वारा किए गए पुस्तक की कविताओं के आदर्श वाचन का यथावत अनुकरण करते हैं। 624 पुस्तक के गद्य पाठ - कहानी, लेख, एकांकी के शब्दों की जोड़-जोड़कर पढ़ते हैं। 625 पाठ के अभ्यास में दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति, सरल प्रश्नों के उत्तर पाठ में से खोजकर कर लेते है। 626 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द आदि स्वयं लिखने का प्रयास करते हैं। 627 पंजाबी भाषा से भिन्न मात्राओं, वर्णों और शब्दों को क्या कच्चा, फुल- फूल, श्री - श्री आदि। 628 भाषा की बारीकियों के प्रति ध्यान आकर्षित करते हैं। 629 देखकर लिखने से उत्साहित होते हैं। जैसे:-1 अध्यापक के सहयोग से किसी एक विषय पर निबंध रचना करते समय मिलते जुलते विषयों पर स्वयं पंक्तियां लिख लेते हैं। 630 अध्यापक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे प्रार्थना-पत्र का अनुकरण लेखन करते हैं। मिलते-जुलते विषय पर स्वयं पत्र लिख लेते है। जैसे:- ज़रुरी काम अथवा बीमारी की छुट्टी का पत्र |	**नये शब्दों का निर्माण,** **पाठ-17 पिल्ले बिकाऊ हैं**
फरवरी 2025	पाठ-20 ज्ञान का भंडार : समाचार-पत्र मुहावरे, शुद्ध-अशुद्ध, व्याकरण दोहराई	624 पुस्तक के गद्य पाठ - कहानी, लेख, एकांकी के शब्दों की जोड़-जोड़कर पढ़ते हैं। 626 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द आदि स्वयं लिखने का प्रयास करते हैं। 627 पंजाबी भाषा से भिन्न मात्राओं, वर्णों और शब्दों को क्या कच्चा, फुल- फूल, श्री - श्री आदि। 628 भाषा की बारीकियों के प्रति ध्यान आकर्षित करते हैं।	
मार्च 2025 वार्षिक परीक्षा			

कक्षा सातवीं (द्वितीय भाषा)

मासिक पाठ्यक्रम योजना 2024-25 (L.O. के अनुसार)

महीना	पठन सामग्री	सीखने की सम्प्राप्तियाँ (L.O.)	संबंधित लिंक
अप्रैल-मई 2024	पाठ 1- भारत के कोने -कोने से, पाठ 2- परमात्मा जो करता है, अच्छा ही करता है, पाठ 3- रक्तदान :एक बहुमूल्य संस्कार, पाठ 4- फूल और काँटा, पाठ 5-हार की जीत लिंग बदलो, वचन बदलो, काल व उसके भेद, नए शब्दों का निर्माण, शुद्ध- अशुद्ध, क्रिया व उसके भेद, मुहावरे **पत्र:** मित्र के प्रथम आने पर बधाई पत्र **निबंध:** मेरा मित्र /मेरी सखी, वैशाखी का मेला, **कहानी:** दो बिल्लियाँ और बंदर	719 हिंदी भाषा पढ़ने लिखने के लिए उत्साह एवं लगन दिखाते है। 720 हिंदी के संयुक्ताक्षरों- क्ष, त्र, ज्ञ, ट्र, द्य, श्र आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 721 मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और इस कारण आए अर्थ-भेद के प्रति सचेत होते हैं। 722 हिंदी में आए 'र' के विविध रूपों कृपा, कर्म, क्रम को ध्यान देकर पढ़ते है और इनके मूल स्वरूप को समझने की कोशिश करते हैं। 723 पुस्तक की कविताओं का अनुकरण एवं स्वतंत्र वाचन दोनों करते हैं। 724. पुस्तक के गद्य पाठ- कहानी, लेख, एकांकी को लय के साथ पढ़ने का अभ्यास करते हैं। 725 पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्नों-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध की पाठ में से स्वयं खोज करके अपने भाषा- ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 726 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द भाववाचक संज्ञा निर्माण, समानार्थक शब्दों को समझकर उनमें निर्दिष्ट परिवर्तन कर पाने की कोशिश करते हैं। 727 पंजाबी भाषा के शब्दों के हिंदी-रूप जानने में रूचि दिखाते है और उन्हे लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे भि-नीम, टाउली- शीशम, उट अब आदि। 728 भाषा की बारीकियों को समझने की कोशिश करते हैं। 729 विद्यालय अथवा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं।जैसे- आँखों देखा मैच, मेरी कक्षा का कमरा, दीपावली आदि। 730 प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं।	पाठ 1- भारत के कोने -कोने से, पाठ 2- परमात्मा जो करता है, अच्छा ही करता है, पाठ 3- रक्तदान :एक बहुमूल्य संस्कार 4- फूल और काँटा पाठ 5-हार की जीत नए शब्दों का निर्माण लिंग बदलो
जून 2024 दोहराई			
जुलाई-अगस्त 2024	पाठ 6 -राष्ट्र के गौरव प्रतीक , पाठ 7 - आ री बरखा, पाठ -8 विजय दिवस, पाठ 9 स्वराज्य की नींव, पाठ 10- बढ़े चलो, बढ़े चलो, भाववाचक संज्ञा निर्माण, पुरुष(तीनों पुरुष- उत्तम मध्यम व अन्य पुरुष) समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द), विशेषण निर्माण, विपरीतार्थक शब्द **निबंध-** मेरा अध्यापक, मेरी कक्षा का कमरा, **पत्र-** गर्मियों की छुट्टियों में अपने घनिष्ठ मित्र को छुट्टियाँ एक साथ मनाने के लिए निमंत्रण पत्र, खिड़की का शीशा टूट जाने पर क्षमा याचना करते हुए प्रार्थना पत्र , **कहानी:** खरगोश और कछुआ	719 हिंदी भाषा पढ़ने लिखने के लिए उत्साह एवं लगन दिखाते है। 720 हिंदी के संयुक्ताक्षरों- क्ष, त्र, ज्ञ, ट्र, द्य, श्र आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 721 मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और इस कारण आए अर्थ-भेद के प्रति सचेत होते हैं। 722 हिंदी में आए 'र' के विविध रूपों कृपा, कर्म, क्रम को ध्यान देकर पढ़ते है और इनके मूल स्वरूप को समझने की कोशिश करते हैं। 723 पुस्तक की कविताओं का अनुकरण एवं स्वतंत्र वाचन दोनों करते हैं। 724. पुस्तक के गद्य पाठ- कहानी, लेख, एकांकी को लय के साथ पढ़ने का अभ्यास करते हैं। 725 पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्नों-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध की पाठ में से स्वयं खोज करके अपने भाषा- ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 726 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द भाववाचक संज्ञा निर्माण, समानार्थक शब्दों को समझकर उनमें निर्दिष्ट परिवर्तन कर पाने की कोशिश करते हैं।	पाठ 6 -राष्ट्र के गौरव प्रतीक पाठ 7 - आ री बरखा पाठ -8 विजय दिवस पाठ 9 स्वराज्य की नींव, पाठ 10- बढ़े चलो

		727 पंजाबी भाषा के शब्दों के हिंदी-रूप जानने में रूचि दिखाते है और उन्हे लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे भि-नीम, टाउली- शीशम, उट अब आदि। 728 भाषा की बारीकियों को समझने की कोशिश करते हैं। 729 विद्यालय अथवा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं।जैसे- आँखों देखा मैच, मेरी कक्षा का कमरा, दीपावली आदि। 730 प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं।	विशेषण निर्माण मेरी कक्षा का कमरा, खरगोश और कछुआ, खिड़की का शीशा टूटने पर पर मुख्याध्यापिका से क्षमा याचना पत्र, विलोम शब्द, वाच्य, क्रिया विशेषण
सितम्बर 2024 दोहराई और अर्धवार्षिक परीक्षा			
अक्तूबर-नवम्बर 2024	पाठ 11- धीरा की होशियारी, पाठ 12- अशोक का शस्त्र त्याग, पाठ 13 - साक्षरता अभियान, पाठ 14- गिल्लू , पाठ 15- धर्मशाला वाच्य, क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विराम चिह्न, **निबंध:** श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, दीपावली **कहानी:** हाथी और दर्जी **प्रार्थना पत्र:** बहन के विवाह पर अवकाश लेने के लिए	719 हिंदी भाषा पढ़ने लिखने के लिए उत्साह एवं लगन दिखाते है। 720 हिंदी के संयुक्ताक्षरों- क्ष, त्र, ज्ञ, ट्र, द्य, श्र आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 721 मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और इस कारण आए अर्थ-भेद के प्रति सचेत होते हैं। 722 हिंदी में आए 'र' के विविध रूपों कृपा, कर्म, क्रम को ध्यान देकर पढ़ते है और इनके मूल स्वरूप को समझने की कोशिश करते हैं। 723 पुस्तक की कविताओं का अनुकरण एवं स्वतंत्र वाचन दोनों करते हैं। 724. पुस्तक के गद्य पाठ- कहानी, लेख, एकांकी को लय के साथ पढ़ने का अभ्यास करते हैं। 725 पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्नों-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध की पाठ में से स्वयं खोज करके अपने भाषा- ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 726 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द भाववाचक संज्ञा निर्माण, समानार्थक शब्दों को समझकर उनमें निर्दिष्ट परिवर्तन कर पाने की कोशिश करते हैं। 727 पंजाबी भाषा के शब्दों के हिंदी-रूप जानने में रूचि दिखाते है और उन्हे लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे भि-नीम, टाउली- शीशम, उट अब आदि। 728 भाषा की बारीकियों को समझने की कोशिश करते हैं। 729 विद्यालय अथवा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं।जैसे- आँखों देखा मैच, मेरी कक्षा का कमरा, दीपावली आदि। 730 प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं।	
दिसम्बर 2024 - जनवरी 2025	पाठ 16- कोई नहीं बेगाना , पाठ 17- अन्याय के विरोध में पाठ 18- सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, पाठ 19- दोहावली विस्मयादिबोधक, मुहावरे, व्याकरण दोहराई **पत्र-** अपने मित्र को पत्र लिखकर बताएं कि आपका नया स्कूल किन-किन बातों में अच्छा है, **निबन्ध-** आँखों देखा मैच, **कहानी:** दो मित्र और रीछ	719 हिंदी भाषा पढ़ने लिखने के लिए उत्साह एवं लगन दिखाते है। 720 हिंदी के संयुक्ताक्षरों- क्ष, त्र, ज्ञ, ट्र, द्य, श्र आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 721 मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और इस कारण आए अर्थ-भेद के प्रति सचेत होते हैं। 723 पुस्तक की कविताओं का अनुकरण एवं स्वतंत्र वाचन दोनों करते हैं। 724. पुस्तक के गद्य पाठ- कहानी, लेख, एकांकी को लय के साथ पढ़ने का अभ्यास करते हैं। 725 पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्नों-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध की पाठ में से स्वयं खोज करके अपने भाषा- ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं।	**पाठ 16- कोई नहीं बेगाना** **पाठ 19- दोहावली**

		726 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द भाववाचक संज्ञा निर्माण, समानार्थक शब्दों को समझकर उनमें निर्दिष्ट परिवर्तन कर पाने की कोशिश करते हैं। 727 पंजाबी भाषा के शब्दों के हिंदी-रूप जानने में रूचि दिखाते है और उन्हे लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे भि-नीम, टाउली- शीशम, उट अब आदि। 728 भाषा की बारीकियों को समझने की कोशिश करते हैं। 729 विद्यालय अथवा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं।जैसे- आँखों देखा मैच, मेरी कक्षा का कमरा, दीपावली आदि। 730 प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं।	
फरवरी 2025	पाठ 20- मैं जीती शुद्ध अशुद्ध, नए शब्दों का निर्माण, मुहावरे, पाठ्यक्रम दोहराई	719 हिंदी भाषा पढ़ने लिखने के लिए उत्साह एवं लगन दिखाते है। 720 हिंदी के संयुक्ताक्षरों- क्ष, त्र, ज्ञ, टू, द्य, श्र आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 721 मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और इस कारण आए अर्थ-भेद के प्रति सचेत होते हैं। 724. पुस्तक के गद्य पाठ- कहानी, लेख, एकांकी को लय के साथ पढ़ने का अभ्यास करते हैं। 725 पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्नों-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध की पाठ में से स्वयं खोज करके अपने भाषा- ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 726 व्याकरण संबंधी विविध विषय जैसे एक वचन से बहुवचन, लिंग बदलो, विपरीत शब्द भाववाचक संज्ञा निर्माण, समानार्थक शब्दों को समझकर उनमें निर्दिष्ट परिवर्तन कर पाने की कोशिश करते हैं। 727 पंजाबी भाषा के शब्दों के हिंदी-रूप जानने में रूचि दिखाते है और उन्हे लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे भि-नीम, टाउली- शीशम, उट अब आदि। 728 भाषा की बारीकियों को समझने की कोशिश करते हैं।	
मार्च 2025 वार्षिक परीक्षा			

कक्षा आठवीं (द्वितीय भाषा)

मासिक पाठ्यक्रम योजना 2024-25 (L.O. के अनुसार)

महीना	पठन सामग्री	सीखने की सम्प्राप्तियाँ (L.O.)	संबंधित लिंक
अप्रैल-मई 2024	पाठ 1- हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती, पाठ 2- पिंजरे का शेर, पाठ 3- मैट्रो रेल का सुहाना सफर, पाठ 4- राखी की चुनौती, पाठ 5- शायद यही जीवन है, संज्ञा, लिंग बदलो, वचन बदलो, सर्वनाम, मुहावरे, नए शब्द निर्माण, **पत्र-**स्कूल में पीने के पानी के उचित प्रबंध हेतु, **निबंध-** प्रात: काल की सैर, मेरा प्रिय खेल	819. हिंदी में बोलने और लिखने के लिए यत्नशील रहते हैं। 820.हिंदी के संयुक्ताक्षरों – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 821.मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और शब्दों के अर्थ-भेद को समझकर उन्हें अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 823.पुस्तक की कविताओं का पूर्ण हाव-भाव, लय, विराम के साथ वाचन करने का भरसक प्रयास करते हैं। 824.पुस्तक के गद्य पाठ – कहानी, निबंध, एकांकी को प्रभावी ढंग से पढ़ते हैं। 825.पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्न-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध आदि की स्वयं खोज करके अपने भाषा-ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 826.पाठ के अभ्यास में दिए गए विविध व्याकरणिक संदर्भों के उदाहरण देखकर स्वयं उनके नियमों को समझने की कोशिश करते हैं और मिलते-जुलते शब्दों का निर्माण करने में रुचि दिखाते हैं। 827.पंजाबी-हिंदी के व्याकरणिक अंतर को समझने लगते हैं तथा उसी के अनुरूप शब्दों को पढ़-लिख लेते हैं। पंजाबी भाषा के हिंदी रूप जानने में रुचि दिखाते हैं और उन्हें लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे – ਪੀਲੀਆਂ ਕਲਮਾਂ - पीली कलमें, ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ - आपकी पुस्तकें आदि। 828.भाषा की बारीकियों को समझने लगते हैं और सही शब्दों का चुनाव करने लगते हैं। 829.विद्यालय तथा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं। दिए गए विषय पर अपने मौलिक विचार रख सकते हैं। जैसे – 'रक्षा-बंधन', 'प्रात: काल की सैर''। 830.प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं। 831.पत्र लेखन में बँधी-बँधाई भाषा का प्रयोग न करके अपने मौलिक विचारों को प्राथमिकता देते हैं। जैसे – स्कूल में पीने के पानी का उचित प्रबंध करने के लिए प्रयुक्त शब्द उनके अपने होते हैं।	**पाठ 1- हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती,** **पाठ 2- पिंजरे का शेर** **3- मैट्रो रेल का सुहाना सफर,** **पाठ 4- राखी की चुनौती,** **पत्र लेखन** **सर्वनाम**
जून 2024 दोहराई			
जुलाई-अगस्त 2024	पाठ 6- नील गगन का नीलू, पाठ 7- नवयुवकों के प्रति, पाठ 8- प्रेरणा, पाठ 9- मन के जीते जीत, पाठ 10- रब्बा मींह दे, 'र' के रूप, कारक, समानार्थक शब्द (पर्यायवाची), **पत्र-** स्कूल छोड़ने का प्रमाण-पत्र लेने हेतु, **निबंध-** शहीद भगत सिंह, स्वतंत्रता दिवस	819. हिंदी में बोलने और लिखने के लिए यत्नशील रहते हैं। 820.हिंदी के संयुक्ताक्षरों – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 821.मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और शब्दों के अर्थ-भेद को समझकर उन्हें अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 822.भाषा में आए 'र' के विविध रूपो के प्रयोग को समझने लगते हैं और उसी के अनुसार अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 823.पुस्तक की कविताओं का पूर्ण हाव-भाव, लय, विराम के साथ वाचन करने का भरसक प्रयास करते हैं। 824.पुस्तक के गद्य पाठ – कहानी, निबंध, एकांकी को प्रभावी ढंग से पढ़ते हैं। 825.पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्न-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध आदि की स्वयं खोज करके अपने भाषा-ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 826.पाठ के अभ्यास में दिए गए विविध व्याकरणिक संदर्भों के उदाहरण देखकर स्वयं उनके नियमों को समझने की कोशिश करते हैं और मिलते-जुलते शब्दों का निर्माण करने में रुचि दिखाते हैं। 827.पंजाबी-हिंदी के व्याकरणिक अंतर को समझने लगते हैं तथा उसी के अनुरूप शब्दों को पढ़-लिख लेते हैं। पंजाबी भाषा के हिंदी रूप जानने में रुचि दिखाते हैं और उन्हें लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे – ਪੀਲੀਆਂ ਕਲਮਾਂ - पीली कलमें, ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ - आपकी पुस्तकें आदि।	**पाठ 6- नील गगन का नीलू,** **पाठ 9- मन के जीते जीत,** **पाठ 10- रब्बा मींह दे,**

		828.भाषा की बारीकियों को समझने लगते हैं और सही शब्दों का चुनाव करने लगते हैं। 829.विद्यालय तथा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं। दिए गए विषय पर अपने मौलिक विचार रख सकते हैं। जैसे – 'रक्षा-बंधन', 'प्रात: काल की सैर''। 830.प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं। 831.पत्र लेखन में बँधी-बँधाई भाषा का प्रयोग न करके अपने मौलिक विचारों को प्राथमिकता देते हैं। जैसे – स्कूल में पीने के पानी का उचित प्रबंध करने के लिए प्रयुक्त शब्द उनके अपने होते हैं।	समानार्थक शब्द (पर्यायवाची), शहीद भगत सिंह, स्वतंत्रता दिवस
सितम्बर 2024 दोहराई और अर्धवार्षिक परीक्षा			
अक्तूबर-नवम्बर 2024	पाठ 11- ईदगाह, पाठ 12- साइंस सिटी, पाठ 13- माँ, पाठ 14- सहयोग विशेषण निर्माण, शुद्ध-अशुद्ध, पंजाबी वाक्य अनुवाद, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, क्रिया, क्रिया विशेषण, वाच्य, विराम चिह्न, योजक, संबंधबोधक **पत्र-** चाचा जी को जन्मदिन के उपहार के लिए धन्यवाद पत्र, मित्र के जन्मदिन पर उसे बधाई पत्र, **निबन्ध-** सत्संगति, कंप्यूटर/मोबाइल के लाभ हानियाँ, मेरा परिवार	819. हिंदी में बोलने और लिखने के लिए यत्नशील रहते हैं। 820.हिंदी के संयुक्ताक्षरों – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 821.मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और शब्दों के अर्थ-भेद को समझकर उन्हें अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 823.पुस्तक की कविताओं का पूर्ण हाव-भाव, लय, विराम के साथ वाचन करने का भरसक प्रयास करते हैं। 824.पुस्तक के गद्य पाठ – कहानी, निबंध, एकांकी को प्रभावी ढंग से पढ़ते हैं। 825.पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्न-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध आदि की स्वयं खोज करके अपने भाषा-ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 826.पाठ के अभ्यास में दिए गए विविध व्याकरणिक संदर्भों के उदाहरण देखकर स्वयं उनके नियमों को समझने की कोशिश करते हैं और मिलते-जुलते शब्दों का निर्माण करने में रुचि दिखाते हैं। 827.पंजाबी-हिंदी के व्याकरणिक अंतर को समझने लगते हैं तथा उसी के अनुरूप शब्दों को पढ़-लिख लेते हैं। पंजाबी भाषा के हिंदी रूप जानने में रुचि दिखाते हैं और उन्हें लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे – ਪੀਲੀਆਂ ਕਲਮਾਂ - पीली कलमें, ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ - आपकी पुस्तकें आदि। 828.भाषा की बारीकियों को समझने लगते हैं और सही शब्दों का चुनाव करने लगते हैं। 829.विद्यालय तथा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं। दिए गए विषय पर अपने मौलिक विचार रख सकते हैं। जैसे – 'रक्षा-बंधन', 'प्रात: काल की सैर''। 830.प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं। 831.पत्र लेखन में बँधी-बँधाई भाषा का प्रयोग न करके अपने मौलिक विचारों को प्राथमिकता देते हैं। जैसे – स्कूल में पीने के पानी का उचित प्रबंध करने के लिए प्रयुक्त शब्द उनके अपने होते हैं।	पाठ 11- ईदगाह, पाठ 12- साइंस सिटी,
दिसम्बर 2024 - जनवरी 2025	पाठ 15- वाघा बॉर्डर, पाठ 16- गिरधर की कुंडलियाँ, पाठ 17- मेरा दम घुटता है, पाठ 18- कल्पना चावला विस्मयादिबोधक, योजक, विराम चिह्न, मुहावरे, व्याकरण दोहराई, **पत्र-** अपनी बहन के विवाह में शामिल होने के लिए मित्र को पत्र, मित्र को स्कूल में मनाये गणतंत्र दिवस के बारे में बताते हुए पत्र,	819. हिंदी में बोलने और लिखने के लिए यत्नशील रहते हैं। 820.हिंदी के संयुक्ताक्षरों – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 821.मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और शब्दों के अर्थ-भेद को समझकर उन्हें अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 823.पुस्तक की कविताओं का पूर्ण हाव-भाव, लय, विराम के साथ वाचन करने का भरसक प्रयास करते हैं। 824.पुस्तक के गद्य पाठ – कहानी, निबंध, एकांकी को प्रभावी ढंग से पढ़ते हैं। 825.पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्न-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध आदि की स्वयं खोज करके अपने भाषा-ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं।	पाठ 16- गिरधर की कुंडलियाँ, . पाठ 18- कल्पना चावला

	निबन्ध- स्वच्छता अभियान, प्रदुषण की समस्या व् समाधान	826.पाठ के अभ्यास में दिए गए विविध व्याकरणिक संदर्भों के उदाहरण देखकर स्वयं उनके नियमों को समझने की कोशिश करते हैं और मिलते-जुलते शब्दों का निर्माण करने में रुचि दिखाते हैं। 827.पंजाबी-हिंदी के व्याकरणिक अंतर को समझने लगते हैं तथा उसी के अनुरूप शब्दों को पढ़-लिख लेते हैं। पंजाबी भाषा के हिंदी रूप जानने में रुचि दिखाते हैं और उन्हें लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे – ਪੀਲੀਆਂ ਕਲਮਾਂ - पीली कलमें, ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ - आपकी पुस्तकें आदि। 828.भाषा की बारीकियों को समझने लगते हैं और सही शब्दों का चुनाव करने लगते हैं। 829.विद्यालय तथा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं। दिए गए विषय पर अपने मौलिक विचार रख सकते हैं। जैसे – 'रक्षा-बंधन', 'प्रात: काल की सैर"। 830.प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं। 831.पत्र लेखन में बँधी-बँधाई भाषा का प्रयोग न करके अपने मौलिक विचारों को प्राथमिकता देते हैं। जैसे – स्कूल में पीने के पानी का उचित प्रबंध करने के लिए प्रयुक्त शब्द उनके अपने होते हैं।	मुहावरे
फरवरी 2025	पाठ 19- होंगे कामयाब, पाठ 20- सरफरोशी की तमन्ना, व्याकरण दोहराई, **पत्र-** अपने गाँव के सरपंच को स्कूल के विकास में योगदान देने हेतु पत्र, छुट्टी वाले दिन स्कूल के खेल मैदान में क्रिकेट मैच खेलने की अनुमति हेतु पत्र, **निबन्ध-** मेरा पंजाब	819. हिंदी में बोलने और लिखने के लिए यत्नशील रहते हैं। 820.हिंदी के संयुक्ताक्षरों – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, आदि की बनावट को समझने लगते हैं और उनका प्रसंगानुसार शुद्ध रूप लिखते हैं। 821.मात्राओं के कारण आई उच्चारण-भिन्नता को ध्यान देकर पढ़ते हैं और शब्दों के अर्थ-भेद को समझकर उन्हें अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 822.भाषा में आए 'र' के विविध रूपो के प्रयोग को समझने लगते हैं और उसी के अनुसार अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं। 823.पुस्तक की कविताओं का पूर्ण हाव-भाव, लय, विराम के साथ वाचन करने का भरसक प्रयास करते हैं। 824.पुस्तक के गद्य पाठ – कहानी, निबंध, एकांकी को प्रभावी ढंग से पढ़ते हैं। 825.पाठ के अभ्यास में दिए गए प्रश्न-उत्तर, रिक्त स्थान, मुहावरों-लोकोक्तियों, अशुद्ध-शुद्ध आदि की स्वयं खोज करके अपने भाषा-ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। 826.पाठ के अभ्यास में दिए गए विविध व्याकरणिक संदर्भों के उदाहरण देखकर स्वयं उनके नियमों को समझने की कोशिश करते हैं और मिलते-जुलते शब्दों का निर्माण करने में रुचि दिखाते हैं। 827.पंजाबी-हिंदी के व्याकरणिक अंतर को समझने लगते हैं तथा उसी के अनुरूप शब्दों को पढ़-लिख लेते हैं। पंजाबी भाषा के हिंदी रूप जानने में रुचि दिखाते हैं और उन्हें लिखने का प्रयास करते हैं। जैसे – ਪੀਲੀਆਂ ਕਲਮਾਂ - पीली कलमें, ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ - आपकी पुस्तकें आदि। 828.भाषा की बारीकियों को समझने लगते हैं और सही शब्दों का चुनाव करने लगते हैं। 829.विद्यालय तथा अपने आस-पास घटी घटनाओं पर खुद वाक्य रचना करने का प्रयास करते हैं। दिए गए विषय पर अपने मौलिक विचार रख सकते हैं। जैसे – 'रक्षा-बंधन', 'प्रात: काल की सैर"। 830.प्रार्थना पत्र के साथ मित्र, रिश्तेदार को पत्र लिखने योग्य हो जाते हैं। इस तरह औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में भेद करने लगते हैं। पत्रों में अपने निजी विचारों का समावेश करते हैं। 831.पत्र लेखन में बँधी-बँधाई भाषा का प्रयोग न करके अपने मौलिक विचारों को प्राथमिकता देते हैं। जैसे – स्कूल में पीने के पानी का उचित प्रबंध करने के लिए प्रयुक्त शब्द उनके अपने होते हैं।	
मार्च 2025 वार्षिक परीक्षा			

कक्षा नौवीं (द्वितीय भाषा)

मासिक पाठ्यक्रम योजना 2024-25 (L.O. के अनुसार)

<table>
<tr><th>महीना</th><th>पठन सामग्री</th><th>सीखने की सम्प्राप्तियाँ (L.O.)</th><th>संबंधित लिंक</th></tr>
<tr><td>अप्रैल-मई 2024</td><td>कविता - कबीर दोहावली,
सूरदास के पद
कहानी : पंच परमेश्वर,
निबंध : नींव की ईंट
व्याकरण पुस्तक : पाठ - 1 भाषा और लिपि , पाठ - 2 वर्ण , मुहावरे : 1-20 लोकोक्तियाँ : 1 - 10 अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद ।
अनुच्छेद : नये स्कूल में मेरा पहला दिन , मोबाईल फोन और विद्यार्थी, पुस्तकालय के लाभ
पत्र : अपनी माता जी को वार्षिक परिणाम का विवरण देते हुए पत्र। अपने पुराने स्कूल के अध्यापक को पत्र जिसमें उन्हें अच्छा पढ़ाने के लिए साधुवाद प्रकट किया गया हो तथा भविष्य में मार्गदर्शन की अपेक्षा की गई हो।</td><td>907.दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।
908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।
909.किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।
910.सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
911.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे— 'कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।
913.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट 'शब्द-भंडार, वाक्य संरचना, शैली - संरचना, मौलिकता आदि ।
919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।</td><td>कबीर दोहावली,
पत्र लेखन
सूरदास के पद
भाषा और लिपि
मुहावरे, लोकोक्तियाँ :</td></tr>
<tr><td colspan="4">जून 2024 दोहराई</td></tr>
<tr><td>जुलाई-अगस्त 2024</td><td>कविता : कर्मवीर
एकांकी : शिवाजी का सच्चा स्वरूप
निबंध : महान राष्ट्रभक्त : मदन लाल ढींगरा, हिम्मत और ज़िन्दगी
कहानी - पाजेब
व्याकरण पुस्तक : पाठ - 3 वर्तनी , पाठ - 4 लिंग ,पाठ - 5 वचन , मुहावरे : 21- 40, पाठ - 10 अपठित गद्यांश , लोकोक्तियाँ : 11-20, अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद
अनुच्छेद : स्वास्थ्य और व्यायाम, रामलीला देखने का अनुभव, मधुर वाणी
पत्र - आपको अपने पुराने मित्र का चार साल बाद पत्र मिला। उसके पत्र का जवाब देते हुए पत्र लिखें। अपने फुफेरे भाई को राखी भेजते हुए पत्र।</td><td>907.दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।
908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।
909.किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।
910.सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
911.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे— 'कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।
913.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट 'शब्द-भंडार, वाक्य संरचना, शैली - संरचना, मौलिकता आदि ।
919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।</td><td>महान राष्ट्रभक्त : मदन लाल ढींगरा,
हिम्मत और ज़िन्दगी
अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद
लिंग
अपठित गद्यांश</td></tr>
<tr><td colspan="4">सितम्बर 2024 दोहराई और अर्धवार्षिक परीक्षा</td></tr>
<tr><td>अक्तूबर-नवम्बर 2024</td><td>कविता - झांसी की रानी की समाधि पर
कहानी : दो हाथ
कहानी : साए
निबंध : एक अंतहीन चक्रव्यूह
पाठ - 6 तत्सम - तद्भव, पाठ - 7 उपसर्ग , पाठ - 8 प्रत्यय , मुहावरे - 40-60, अनुच्छेद : हिंदी भाषा की उपयोगिता, जब मेरी माँ बीमार पड़ गई । पर उपदेश कुशल बहुतेरे, मैंने गर्मियों की छुट्टियां कैसे बितायीं, जब मैं मॉल में शॉपिंग करने गई ।
पत्र - अपनी सखी को अपने जन्मदिन पर निमंत्रण देते हुए पत्र , अपनी सहेली को</td><td>907.दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।
908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।
909.किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।
910.सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
911.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे— 'कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।</td><td>निबंध : एक अंतहीन चक्रव्यूह
झांसी की रानी की समाधि पर</td></tr>
</table>

	प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई पत्र । अपने जन्मदिन पर भेजे गए उपहार के लिए ताया जी को धन्यवाद पत्र। बड़ी बहन द्वारा छोटे भाई को पढ़ाई पर ध्यान देने व कुसंगति से बचने के लिए पत्र।	913.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट 'शब्द-भंडार, वाक्य संरचना, शैली - संरचना, मौलिकता आदि । 919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।	
दिसम्बर 2024 - जनवरी 2025	**कविता** : मैंने कहा पेड़, पाँच मरजीवे **निबंध** : बचेंद्री पाल, वह चिड़िया एक अलार्म घड़ी थी, कैसे बचें उपभोक्ता धोखाधड़ी से पाठ - 9 विराम चिन्ह , **अनुच्छेद** : परीक्षा से एक दिन पूर्व, मन के हारे हार है, मन के जीते जीत, दहेज प्रथा - एक सामाजिक कलंक , जल के प्रयोग में व्यावहारिकता। **पत्र :** स्टेडियम में क्रिकेट मैच देखने के लिए अपने चाचा जी को पत्र। अपनी सहेली को सर्दियों की छुट्टियां अपने घर पर बिताने के लिए पत्र। वॉलीबाल के ट्रेनिंग कैंप से माता को अपनी कुशलता का समाचार देते हुए पत्र, परीक्षा ना दे सकने के कारण अपने मित्र को हौसला देते हुए जीवन में सकारात्मक रवैया अपनाने के लिए कहते हुए पत्र ।	907.दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। 908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। 909.किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। 910.सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। 911.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे— 'कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं। 913.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट 'शब्द-भंडार, वाक्य संरचना, शैली - संरचना, मौलिकता आदि । 919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।	पाँच मरजीवे पत्र लेखन
फरवरी 2025	**एकांकी** : प्रकृति का अभिशाप लोकोक्तियाँ (21-30)	907.दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। 908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। 909.किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। 910.सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। 911.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे— 'कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं। 913.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट 'शब्द-भंडार, वाक्य संरचना, शैली - संरचना, मौलिकता आदि । 919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।	**मुहावरे, लोकोक्तियाँ :**
मार्च 2025 वार्षिक परीक्षा			

कक्षा दसवीं (द्वितीय भाषा)

मासिक पाठ्यक्रम योजना 2024-25 (L.O. के अनुसार)

महीना	पठन सामग्री	सीखने की सम्प्राप्तियाँ (L.O.)	संबंधित लिंक
अप्रैल-मई 2024	कविता - दोहावली, कविता – पदावली कहानी-नर्स, निबन्ध-मित्रता, संधि (स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण संधि), समरूपी भिन्नार्थक शब्द (1-20 तक), पर्यायवाची शब्द (1-20 तक), विलोम शब्द-1(i-xiii तक), भाववाचक संज्ञा निर्माण (भाग-क से ग तक), अनेक शब्दों के लिए एक शब्द(1-35 तक), विशेषण निर्माण (भाग-क), मुहावरे (1-15 तक), लोकोक्तियाँ(1-15 तक), **अनुच्छेद** - मेरी दिनचर्या,मेरी पहली हवाई यात्रा, मेरे जीवन का लक्ष्य, हम घर में सहयोग कैसे करें **पत्र** - 'डाटा एंट्री ऑपरेटर' पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र।, अपनी गलती के लिए क्षमा याचना करते हुए अपने स्कूल के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र।, विषय बदलने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र।	1005.नई रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं। 1006.रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य श्रव्य दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी / विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर प्रसारित/ प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं। 1007.अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते है। जैसे—कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना। 1008.कविता या कहानी की पुनर्रचना कर पाते हैं। जैसे— किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं। 1009.औपचारिक पत्र, जैसे— प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आस-पास की समस्याओं/मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं। 1010.रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति- विशेष में10 भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं। जैसे— दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि। 1011.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता, कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं। 1012.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। 1013.विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। 1014.विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं। 1015.प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। 1018.अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं। जैसे—क्या-क्या रिसाइकलिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ।	पदावली पर्यायवाची शब्द समरूपी भिन्नार्थक शब्द
जून 2024 दोहराई			
जुलाई-अगस्त 2024	कविता-नीति के दोहे, निबन्ध - मैं और मेरा देश, राजेन्द्र बाबू, एकांकी- सूखी डाली, कहानी – ममता, अशिक्षित का हृदय **प्रपत्र पूर्ति** : बैंक प्रपत्र (रुपये जमा व निकलवाने सम्बन्धी), सूचना तथा प्रतिवेदन : सूचना (1-2), प्रतिवेदन (1-2), संधि (अयादि संधि), अनुवाद : पंजाबी के गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद, अनेकार्थक शब्द (1-15), वाक्य शुद्धि(बिन्दु 1- 6 तक), विलोम शब्द (शेष भाग) समास (तत्पुरुष, कर्मधारय), भाववाचक संज्ञा निर्माण का शेष भाग (घ-ङ तक), मुहावरे (16-30 तक) **अनुच्छेद-** गाँव का खेल मेला, परीक्षा में अच्छे अंक पाना ही सफलता का मापदंड नहीं, भ्रमण : ज्ञान वृद्धि का साधन, प्रकृति का वरदान - पेड़ पौधे, **पत्र :-** कक्षा की समस्याओं को हल करवाने के सम्बन्ध में विद्यालय के प्रधानाचार्य को	1005.नई रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं। 1006.रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य श्रव्य दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी / विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर प्रसारित/ प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं। 1007.अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते है। जैसे—कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना। 1008.कविता या कहानी की पुनर्रचना कर पाते हैं। जैसे— किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं। 1009.औपचारिक पत्र, जैसे— प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आस-पास की समस्याओं/मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं। 1010.रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति- विशेष में10 भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं। जैसे— दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि।	मैं और मेरा देश अनेकार्थक शब्द वाक्य शुद्धि प्रपत्र पूर्ति अनौपचारिक पत्र लेखन राजेन्द्र बाबू

	पत्र। स्वास्थ्य अधिकारी को क्षेत्र/मुहल्ले की सफाई करवाने सम्बन्धी प्रार्थना पत्र। रोडवेज़ के महाप्रबन्धक को बस में छूट गए सामान के बारे में आवेदन पत्र।	1011.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता, कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं। 1012.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे—विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। 1013.विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। 1014.विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं। 1015.प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। 1018.अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं। जैसे—क्या-क्या रिसाइकलिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ।	समास
सितम्बर 2024 दोहराई और अर्धवार्षिक परीक्षा			
अक्तूबर-नवम्बर 2024	कविता : गाता खग, हम राज्य लिए मरते हैं, निबन्ध : सदाचार का तावीज़ निबन्ध: ठेले पर हिमालय, कहानी (लघु कथाएं) माँ का कमरा अहसास विशेषण निर्माण-शेष भाग (ख-घ तक),समरूपी भिन्नार्थक शब्द (शेष भाग), अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (शेष भाग), अनेकार्थक शब्द (शेष भाग),वाक्य शुद्धि (शेष भाग), सूचना तथा प्रतिवेदन (शेष भाग), अपठित गद्यांश(1-4 तक), अनुवाद : पंजाबी गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद, स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि की पुनरावृत्ति। लोकोक्तियाँ (16-25 तक), मुहावरे (31-50 तक), पर्यायवाची शब्द (शेष भाग) **अनुच्छेद:** अपने नए घर में प्रवेश, करियर चुनाव में स्व मूल्यांकन, विद्यार्थी और अनुशासन, कोचिंग संस्थानों का बढ़ता जंजाल **पत्र:** विद्युत बोर्ड के नाम बिजली की सप्लाई में कमी के सम्बन्ध में आवेदन पत्र। 'बाल श्रम एक अपराध विषय पर समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र।,'जुआखोरी की जानकारी देते हुए समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र।, घरों/ शैक्षिक संस्थानों पर पोस्टर /पम्फलैट्स लगाने से जनता को होने वाली असुविधा के सम्बन्ध में समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र। विज्ञापन – (1-8 तक) प्रपत्र पूर्ति :- बैंक प्रपत्र(ड्राफ्ट व चैक सम्बन्धी प्रपत्र)	1005.नई रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं। 1006.रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य श्रव्य दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी / विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर प्रसारित/ प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं। 1007.अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते है। जैसे—कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना। 1008.कविता या कहानी की पुनर्रचना कर पाते हैं। जैसे— किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं। 1009.औपचारिक पत्र, जैसे— प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आस-पास की समस्याओं/मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं। 1010.रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति- विशेष में10 भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं। जैसे— दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि। 1011.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता, कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं। 1012.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे—विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। 1013.विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। 1014.विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं। 1015.प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। 1018.अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं। जैसे—क्या-क्या रिसाइकलिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ।	हम राज्य लिए मरते हैं सदाचार का तावीज़ पर्यायवाची शब्द मुहावरे, लोकोक्तियाँ माँ का कमरा समरूपी भिन्नार्थक शब्द
दिसम्बर 2024 - जनवरी 2025	कविता - जड़ की मुसकान, कहानी: दो कलाकार, निबन्ध: श्री गुरु नानक देव जी, एकांकी: देश के दुश्मन प्रपत्र पूर्ति (डाकघर से सम्बन्धित), प्रपत्र पूर्ति : रेलवे सम्बन्धी प्रपत्र व प्रपत्र पूर्ति की	1005.नई रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं। 1006.रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य श्रव्य दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी / विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर	जड़ की मुसकान पत्र लेखन

	पुनरावृत्ति, अपठित गद्यांश (शेष भाग),विज्ञापन सम्बन्धी उदाहरण (शेष भाग) भाववाचक संज्ञा निर्माण, विशेषण निर्माण, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द , संधि, वाक्य शुद्धि की पुनरावृत्ति।**अनुच्छेद :-** जनसंचार के माध्यम, मैंने लोहड़ी का त्योहार कैसे मनाया, भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध, **पत्र**: सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव देते हुए सम्पादक के नाम पत्र,	प्रसारित/ प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं। 1007.अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते है। जैसे—कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना। 1008.कविता या कहानी की पुनर्रचना कर पाते हैं। जैसे— किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं। 1009.औपचारिक पत्र, जैसे— प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आस-पास की समस्याओं/मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं। 1010.रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति- विशेष में10 भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं। जैसे— दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि। 1011.पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता, कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं। 1012.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि। 1013.विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। 1014.विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं। 1015.प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। 1018.अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं। जैसे—क्या-क्या रिसाइकलिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ।	विशेषण निर्माण देश के दुश्मन भाववाचक संज्ञा निर्माण
फरवरी 2025 दोहराई एवं प्री-बोर्ड परीक्षा			
मार्च 2025 वार्षिक परीक्षा			

विशेष नोट: अभ्यास में दी गयी पाठ्य सामग्री में से भी परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएँगे ।